येसु के प्रेम से प्रज्वलित

श्रद्धांजलि
धर्म बहन अन्ना मेरी बेर्नादेत्त किस्पोट्टा

संत अन्ना की पुत्रियाँ राँची धर्मसंघ की संस्थापिका
उनकी 55वीं पुण्य तिथि के अवसर पर
16 अप्रैल 2016

संदेश

ईश्वर तथा उनके लोगों की सेवा में समर्पित होकर माता अन्ना मेरी बेर्नादेत्त किस्पोट्टा की मृत्यु के 55 वर्ष बीत चुके हैं।

हम ईश्वर को धन्यवाद देते हैं उनके जीवन दान, व्यक्तित्व और उससे बढ़कर उन सभी विशिष्ट वरदानों के लिए जिनके द्वारा उन्होने संत अन्ना की पुत्रियों के धर्मसंघ राँची की स्थापना की। उनके 55वीं पुण्य तिथि के अवसर पर हम आनंदित हैं क्योंकि झारखण्ड-अंडमान (JHAAN) रीजनल विशप्स काउंसिल ने संत अन्ना की पुत्रियों के धर्मसंघ की संस्थापिका माता अन्ना मेरी बेर्नादेत्त किस्पोट्टा के धन्य घोषित करने की प्रक्रिया को आरम्भ करने के लिए सर्वसम्मति से सहमति प्रदान कर धन्यता प्रक्रिया के लिये अनुशंसा की।

ईश्वर में खुशी मनाने और धन्यवाद देने के साथ और अधिक प्रार्थना करने का समय है। मैं प्रत्येक जन से प्रार्थना की आग्रह करती हूँ कि हमारी संस्थापिका का पवित्र जीवन पवित्र कलीसिया द्वारा पहचानी जाए। उनसे प्रेरित होकर, आईए हम सब विशेषकर करूणा के इस जयंती वर्ष और फा. कोन्सटंट लीवन्स, ये.स. को समर्पित वर्ष में त्याग और तपस्या करें।

सि० लिंडा मेरी वॉन, डी.एस.ए.
सुपीरियर जेनरल

सरगाँव,
एक बच्ची का जन्म

2 जून 1878, मेरी बेर्नादेत्त, पिता पूरन प्रसाद और माता पौलिना की प्रथम पुत्री का जन्म गोस्सनर एवान्जेलिकल लूथरन चर्च (जे.ई.एल. चर्च) सरगाँव के एक परिवार में हुआ था जो भारत के झारखण्ड राज्य में आता है।